

बिहार के बालक एवं बाल्यावस्था संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

[GK] बाल्यावस्था बिहार निबंध B. Ed [PDF]

बालक एवं बाल्यावस्था संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, बालक एवं बाल्यावस्था क्या है ? इस तरह के लेखन पर लिखने के लिये आ ही जाता है। हाल ही में शिक्षा शस्त्र, प्राचार्य की परीक्षाओं में आये हुए प्रश्न निम्नलिखित हैं।

बाल्यावस्था के विकास और अधिकारों की व्याख्या :-

- 1- बालक का विकास (child Development) एक बहुआयामी प्रक्रिया है जिसमें जैविक (biological), सामाजिक (social), सांस्कृतिक (cultural) और मनोवैज्ञानिक (psychological) घटक शामिल होते हैं।
- 2- यदि बिहार में बाल्यावस्था को परिभाषित करने वाले सामाजिक -आर्थिक सन्दर्भ अत्यधिक विषम होते हैं।
- 3- बालक के अधिकारों की व्याख्या करते समय अंतराष्ट्रीय फ्रेमवर्क और स्थानीय परिपेक्ष्य का समायोजन चुनौतीपूर्ण है।
- 4- बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बाल्यावस्था पर गरीबी, कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था और संसाधनों की कमी का गहरा प्रभाव पड़ता है।
- 5- बालक के मानसिक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों में पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपालता और असमान शिक्षा शामिल है।
- 6- बाल्यावस्था के दौरान सामाजिक मानदंडों और परम्पराओं का प्रभाव बच्चों की पहचान निर्माण पर पड़ता है।
- 7- बिहार में बालिकाओं के लिये शिक्षा में बधाएं लिंग भेदभाव और सांस्कृतिक अपेक्षाओं से जुड़ी है।
- 8- बालक के सीखने की प्रक्रिया में बहुभाषिकता और क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका को कम आंका गया है।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बालकों और बालिकाओं की स्थिति का वर्णन :-

- 1- बिहार में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच बालक के विकास में संरचनात्मक असमानताएँ स्पष्ट हैं।
- 2- बाल श्रम और बाल विवाह जैसी प्रथाएँ बच्चों के अधिकारों और विकास को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती हैं।
- 3- बालक के व्यक्तित्व विकास में परिवार की भूमिका के साथ-साथ समुदाय का भी योगदान आवश्यक है।
- 5- बिहार में सरकारी प्रणाली में बालक के अनुकूल बुनियादी ढांचे की कमी उनकी सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है।
- 5- बिहार में मुसहर समुदाय (Musahar Community) के 70% बच्चे अभी भी प्राथमिक शिक्षा से वंचित हैं।

जिले दर जिले / योजना दर योजना :-

- 1- किशनगंज जिले में बालिका शिक्षा दर बिहार के औसत से काफी कम है, जहां 40% स्कूल नहीं जाती।
- 2- मधुबनी और दरभंगा जिलों में बाढ़ के कारण हर साल हजारों बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है।
- 3- बिहार सरकार के आकड़ों के अनुसार " मिड-डे मिला योजना" ने 1.2 करोड़ बच्चों को पोषण प्रदान किया है, लेकिन योजना की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है।

- 4-रोहतास जिले में "शिक्षा दीदी" पहल के माध्यम से लड़कियों की ड्रापआउट मदर में 30% की कमी आई है।
5-बिहार में आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या बढ़ाने के बावजूद 40% बच्चे अभी भी पोषण और पूर्व-शिक्षा से वंचित हैं।

सरकार की योजनाएं :-

1-गया जिले में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिये साइकल योजना (Cycle Yojna)ने 60% से अधिक लड़कियों को स्कूल जाने के लिये प्रेरित किया।

2-बोधगया के ग्रामीणों क्षेत्रों में बच्चों की मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव, उनके समय विकास को बाधित करता है।

3-बिहार में बाल-विवाह के कारण हर साल 10% लड़कियां स्कूल छोड़ देती हैं।

4-पटना जिले में स्मार्ट क्लास की पहल ने कक्षा 8 बच्चों की गणित दक्षता को 25% तक बढ़ा दिया है।

5-सहरसा और सुपौल में जलवायु परिवर्तन से प्रभावित बच्चे, मानसिक तनाव और शिक्षा से वंचित होने की समस्या झेलते हैं।

महत्वपूर्ण जानकारी :-

1-बिहार में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिये समावेशी शिक्षा नीति अभी भी अपने क्रियान्वयन का इंतजार कर रही है।

2-सहरसा और सुपौल में जलवायु परिवर्तन से प्रभावित बच्चे, मानसिक तनाव और शिक्षा से वंचित होने की समस्या झेलते हैं।

3-बिहार में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिये समावेशी शिक्षा नीति अभी भी अपने प्रभावी क्रियान्वयन का इंतजार कर रही है।

4-मधुबनी की मिथिला पेंटिंग का बच्चों के रचनात्मक विकास में उपयोग बढ़ता जा सकता है।

5-बिहार बोर्ड परीक्षा 10 और 12 के छात्रों की पास प्रतिशत दर अभी भी 60% के आस पास है।

6-मुजफ्फरपुर जिले में कुपोषण के कारण बच्चों की पढ़ाई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

7-पश्चिम चम्पारण में "पढ़ाई घर-घर" योजना के माध्यम से 50,000 बच्चों को स्कूल से जोड़ा गया।

8-बिहार में पंचायती राज सस्थानों के माध्यम से बाल संरक्षण के लिये विशेष जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं।

9-सारण जिले में शिक्षकों की कमी के कारण प्राथमिक शिक्षा का स्तर प्रभावित हुआ है।

बिहार में बाल श्रम के आंकड़े क्या हैं?

बाल श्रम के मामलों में, बिहार राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर है।

किशनगंज जिले में बालिकाओं की शिक्षा दर कितनी है?

बिहार के किशनगंज जिले में लड़कियों की शिक्षा दर औसत से काफी कम है, जहां पर 40% से ज्यादा स्कूल नहीं जाती हैं।

मुसहर समुदाय के बच्चों की क्या स्थिति है?

बिहार में मुसहर समुदाय (Musahar Community) के 70% बच्चे अभी भी प्राथमिक शिक्षा से वंचित हैं।

क्या बिहार में, बालिकाओं के साथ शिक्षा में भेदभाव होते हैं?

हाँ, बिहार में बालिकाओं के लिये शिक्षा में बढ़ाएँ लिंग भेदभाव और सांस्कृतिक अपेक्षाओं पर बहुत भेदभाव होते हैं।

बालक का विकास किस तरह की प्रक्रिया है?

बहुआयामी, इसमें जैविक (biological), सामाजिक(social), सांस्कृतिक (cultural) और मनोवैज्ञानिक (psychological) घटक शामिल होते हैं। यह घटक मनोवैज्ञानिकों द्वारा कहे गये हैं।

पढ़ाई घर-घर.योजना का संबंध बिहार के किस जिले से है?

बिहार के पश्चिम चम्पारण से "पढ़ाई घर-घर" योजना को जाना जाता है जहां इस योजना के माध्यम से 50,000 बच्चों को स्कूल से जोड़ा गया है।